ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-६६
दिनांक-मंगलवार,२० अगस्त,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.२ एवं २६.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९० सुबह में एवं दोपहर में ७३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.५ एवं दोपहर में ३१.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में ७.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२१-२५ अगस्त,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २१-२५ अगस्त,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। अगले १२ से २४ घंटों में बेगुसराय, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी व पश्चिमी चम्पारण जिलों में कम दवाब के प्रभाव से अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। अगले २४ घंटो के बाद की पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की सक्रियता में कमी होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन १२ से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने का अनुमान है। हालाँकि २३ अगस्त में कहीं-कहीं पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६५ से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे। किसान भाई २५ अगस्त के बाद इसकी बुआई कर सकते हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा-९ तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंशित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- धान की २५-३० दिनों की फसल में प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट ५.० किलोग्राम तथा २.५ किलोग्राम बुझा चूना का ५०० लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। पिछात रोपी गई धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- परवल की राजेन्द्र परवल-१, राजेन्द्र परवल-२, एफ०पी०-१, एफ०पी०-३, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई०आई०भी०आर०-१ आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर २५०० गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2x2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट ३ से ५ किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली २५० ग्राम, एस०एस०पी० १०० ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश २५ ग्राम एवं थिमेट १० से १५ ग्राम का व्यवहार करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में *कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली* की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० प्रतिशत छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें।
- जो किसान भाई फलदार पौधों का बगीचा लगाना चाहते हैं वे अविलम्ब पौधों की रोपाई कर लें। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम सड़ी गोबर का प्रयोग करें।
- आम की अलग-अलग समय में पकने वाली किस्मों की रोपाई करें। **मई के अन्त से जुन माह** में पकने वाली किस्में *मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू,* **जून माह** में पकने वाली किस्में *लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी,* **जुलाई माह** में पकने वाली किस्में *फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया,* **अगस्त में** पकने वाली किस्में *समरबहिश्त, चौसा, कतिकी* है। **आम के संकर किस्मों** के लिए *महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा* आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- हल्दी, अदरक, ओल और बरसाती सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मिर्च की रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवश्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.७ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी